- bordernewsmirror@gmail.com
- पटना, दिल्ली व कोलकाता से एक साथ प्रसारित
- द्विभाषिक समाचार पत्र

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

02 नवरात्रि के पांचवे दिन करे नव दुर्गा के पंचम स्वरूप मां स्कंदमाता की पूजा

04 गांधी के समानता के मार्ग पर चलकर विकसित राष्ट्र बनेगा भारत: राष्ट्रपति

बॉर्डर न्यूज मिरर

...खबरों से समझौता नहीं

● पटना, शुक्रवार, 20 अक्टूबर 2023 | www.bordernewsmirror.com | ● पृष्ठ: 08, मूल्य: 5 रूपए ● वर्ष: 04, अंक: 257

सीबीआई ने 11 राज्यों में 76 स्थानों पर की छापेमारी

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय संगठित साइबर अपराध नेटवर्क के खिलाफ केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने ऑपरेशन चक्र- दो के तहत राष्ट्रव्यापी कार्रवाई के दौरान 11 राज्यों में 76 स्थानों पर पांच मामलों में गहन तलाशी ली। इसमें मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, हरियाणा, केरल, तमिलनाडु, पंजाब, बिहार, दिल्ली, पश्चिम बंगाल और हिमाचल प्रदेश शामिल हैं।

इन मामलों में, आरोपितों ने एक वैश्विक आईटी प्रमुख और एक ऑनलाइन प्रौद्योगिकी-संचालित ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म वाले बहुराष्ट्रीय निगम का प्रतिरूपण किया है, जो कंप्यूटर व संचार उपकरणों का उपयोग कर धोखा देने के इरादे से एक नकली पहचान (आईडी) बनायी। पांच राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों में नौ कॉल सेंटर संचालित करने वाले आरोपित,

तकनीकी सहायता प्रतिनिधियों के रूप में भेष बदलकर व्यवस्थित रूप से विदेशी नागरिकों को शिकार बनाते थे।

इस दौरान 32 मोबाइल फोन, 48 लैपटॉप व हार्ड डिस्क, दो सर्वर की तस्वीरें, 33 सिम कार्ड और पेन ड्राइव जब्त किए गए और कई बैंक खाते फ्रीज कर दिए गए। सीबीआई ने 15 ईमेल खातों की सामग्री को भी जब्त कर लिया।

सीबीआई ने वित्त मंत्री की अध्यक्षता वाली आर्थिक आसूचना परिषद इंडिया की महत्वपूर्ण जानकारी से प्रेरित ऑपरेशन चक्र-दो के तहत एक परिष्कृत क्रिप्टो-मुद्रा धोखाधड़ी ऑपरेशन को भेद दिया। फर्जी क्रिप्टो माइनिंग ऑपरेशन की आड़ में भारतीय नागरिकों को 100 करोड़ रु. का नुकसान हुआ है।

ऑपरेशन चक्र-दो के दौरान एकत्र किए गए सबूतों के आधार पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कानून प्रवर्तन एजेंसियों को इन अपराधियों को खत्म करने के लिए व्यापक कार्रवाई के लिए सीबीआई अपने अंतरराष्ट्रीय समकक्षों के साथ अंतरराष्ट्रीय पुलिस सहयोग की भावना से मिलकर नेटवर्क पर काम कर रही है। इसमें संयुक्त राज्य अमेरिका के संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई), साइबर अपराध निदेशालय और इंटरपोल के आईएफसीएसीसी, यूनाइटेड किंगडम में राष्ट्रीय अपराध एजेंसी (एनसीए) और सिंगापुर पुलिस शामिल हैं। जो जर्मनी की फ़ोर्स और बीकेए को भी सूचित करेंगी।

संजय सिंह की गिरफ्तारी पर फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने दिल्ली शराब घोटाला मामले में आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह की अपनी गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए फैसला सुरक्षित रख लिया है। जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा की बेंच ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया। सुनवाई के दौरान ईडी की ओर से पेश एएसजी एसवी राजू ने संजय सिंह की याचिका का विरोध करते हुए कहा कि संजय सिंह अब न्यायिक हिरासत में हैं। कानून के मुताबिक जांच-पड़ताल के बाद ही कानूनी प्रक्रिया के तहत संजय सिंह की गिरफ्तारी हुई है।

इजराइल में भारतीयों के हताहत होने की सूचना नहीं

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को बताया कि इजरायल में एक महिला के घायल होने के अलावा किसी अन्य भारतीय के हताहत होने की कोई जानकारी नहीं है। इजरायल से अब तक 5 फ्लाइट्स में 1200 लोगों को भारत लाया गया है, जिसमें से 18 नेपाली नागरिक हैं। आवश्यकता पड़ने पर और फ्लाइट की व्यवस्था की जाएगी।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने गुरुवार को साप्ताहिक पत्रकार वार्ता में इजरायल-हमास संघर्ष और वहां की स्थिति की जानकारी दी। प्रवक्ता ने प्रधानमंत्री के पिछले दिनों इस संबंध में आए बयानों और विदेश मंत्रालय की स्थिति को एक बार फिर दोहराया। उन्होंने कहा कि भारत इजरायल पर हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा करता है।

स्मृति ईरानी के डिग्री विवाद में अब 24 मार्च को सुनवाई करेगा दिल्ली हाई कोर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी के डिग्री विवाद मामले की सुनवाई टाल दी है। आज शिकायतकर्ता के वकील के उपलब्ध नहीं होने की वजह से सुनवाई नहीं हो सकी। मामले की अगली सुनवाई 24 मार्च 2024 को होगी।

अहमर खान ने एक याचिका दायर करके ट्रायल कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें स्मृति ईरानी को समन जारी करने से इनकार करने का आदेश दिया गया था। याचिका में कहा गया है कि स्मृति ईरानी ने 2004, 2011 और 2014 में लोकसभा और राज्यसभा का नामांकन भरते वक्त अपनी शैक्षणिक योग्यता को लेकर निर्वाचन आयोग में झूठा हलफनामा दाखिल किया था।

याचिका में कहा गया है कि 2004 में

स्मृति ईरानी ने दिल्ली के चांदनी चौक इलाके से लोकसभा का चुनाव लड़ने के लिए भरे गए नामांकन पत्र में कहा था कि उन्होंने दिल्ली यूनिवर्सिटी से पत्राचार के जरिये 1996 में बीए की डिग्री हासिल की थी। याचिका में कहा गया है कि 2011 में जब स्मृति ईरानी ने गुजरात से राज्यसभा का चुनाव लड़ा, तो उन्होंने नामांकन के लिए दाखिल हलफनामे में अपनी सबसे बड़ी डिग्री के रूप में दिल्ली यूनिवर्सिटी से पत्राचार के जरिये बीकॉम पार्ट वन की 1994 की डिग्री बताई थी। याचिका में आगे कहा गया है कि स्मृति ईरानी ने 2014 में जब अमेठी से लोकसभा का चुनाव लड़ा, तो अपने हलफनामे में दिल्ली यूनिवर्सिटी के ओपन लर्निंग (पत्राचार) से 1994 में बैचलर ऑफ कॉमर्स पार्ट वन की डिग्री का जिक्र किया है।

सुनवाई के दौरान दिल्ली पुलिस की ओर से कहा गया कि याचिकाकर्ता ने मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट के आदेश को सेशंस कोर्ट में चुनौती दिए बिना ही हाई कोर्ट में याचिका दायर की है। तब याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि सेशंस कोर्ट और हाई कोर्ट का समान क्षेत्राधिकार है। इसलिए ये याचिका सुनवाई योग्य है। उसके बाद कोर्ट ने दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी करते हुए 19 अक्टूबर को याचिका के सुनवाई योग्य होने के मामले पर सुनवाई करने का आदेश दिया।

सियासत विश्व की अर्थव्यवस्था में असर डालने वाला है गाजा-इजराइल युद्ध

गाजा युद्ध को लेकर भारत ले स्टैण्ड : मायावती

बीएनएम@लखनऊ

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने गाजा में चल रहे युद्ध को मानवता और विनाशकारी बताया है। उन्होंने युद्ध को विश्व में अर्थव्यवस्था में असर डालने वाला बताया। बसपा प्रमुख ने इस युद्ध में भारत को मजबूती से स्टैण्ड लेने बात कही है।

मायावती ने गुरुवार को ट्वीट कर लिखा कि यूक्रेन युद्ध को लेकर पीएम नरेन्द्र मोदी ने जब यह कहा कि 'This is not an era of war' अर्थात आज का युग युद्ध का नहीं है, तो इसकी प्रशंसा पश्चिमी नेताओं ने खूब की और अब गाज़ा युद्ध को लेकर भी भारत को अपने

इस स्टैण्ड पर ऐसी मजबूती से खड़े रहने की जरूरत है जो सबको अनुभव हो।

उन्होंने कहा कि युद्ध दुनिया में कहीं भी हो आज के ग्लोबल वर्ल्ड में अधिकतर देशों की अर्थव्यवस्था एक-दूसरे पर काफी हद तक जुड़ी/निर्भर है। यूक्रेन युद्ध लगातार जारी है व दुनिया इससे प्रभावित है। इसीलिए विश्व में कहीं भी नया युद्ध मानवता के लिए कितना विनाशकारी होगा इसका अन्दाजा लगाना मुश्किल नहीं।

मायावती ने कहा कि भारत अपनी आज़ादी के बाद से ही विश्व में शान्ति, सौहार्द, स्वतंत्रता के लिए तथा नस्लभेद आदि के विरुद्ध अति गंभीर व सक्रिय रहा है, जिसकी प्रेरणा और शक्ति उसे उसके समतामूलक एवं मानवतावादी संविधान से मिली है। दुनिया में भारत की यह पहचान बनी रहनी चाहिए।

मुफ्त बिजली के नाम पर जनता के साथ धोखाधड़ी कर रही केजरीवाल

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधा है। पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता गोपाल कृष्ण अग्रवाल ने कहा कि दिल्ली सरकार मुफ्त बिजली देने के नाम पर जनता के साथ धोखाधड़ी कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुफ्त बिजली देने वाली कंपनियां भविष्य में अपनी रेगुलेटरी एसेट की भरपाई करने के लिए दिल्ली की जनता से लगभग 20 हजार करोड़ रुपये वसूलेंगी, जो कि हर साल लगभग 5 हजार करोड़ रुपये से बढ़ता जाएगा। भविष्य में दिल्ली की जनता को कई गुना अधिक कीमत पर प्रति यूनिट बिजली मिलेगी।

गोपाल कृष्ण अग्रवाल ने भाजपा के केंद्रीय मुख्यालय में गुरुवार को पत्रकार वार्ता में कहा कि वित्त वर्ष 2021-22 तक दिल्ली में बिजली

वितरण करने वाली रेगुलेटरी राशि लगभग 18,578 रुपये और उस पर वार्षिक ब्याज की राशि लगभग 1500 करोड़ रुपये हो गयी है। केजरीवाल सरकार जो कुछ राशि बिजली सब्सिडी में देती है, वह भी जनता के खाते में सीधे हस्तांतरित करने के बजाय निजी वितरण कंपनियों को दे रही है।

नवरात्रि के पांचवे दिन करे नव दुर्गा के पंचम स्वरूप मां स्कंदमाता की पूजा

या देवी सर्वभूतेषु
माँ स्कन्दमाता रूपेण संस्थिता।।
नमस्तस्यै नमस्तस्यै
नमस्तस्यै नमो नमः

किशनगंज। नवरात्रि के पांचवे दिन मां दुर्गा के पांचवे स्वरुप मां स्कंदमाता की पूजा विधि विधान एवं वैदिक मंत्रोचार के साथ हुई। मां दुर्गा के दर्शन एवं पूजन के लिए सुबह से दुर्गा मंदिरों में भक्तों की भीड़ उमड़ रही है। शहर के प्रसिद्ध बड़ी कोठी दुर्गा मंदिर, रुईधाशा महाकाल मंदिर सहित कई मंदिरों में मां दुर्गा की आराधना की गयी। श्रद्धालु मां दुर्गा के मंदिरों में दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। वहीं घरों में भी कलश स्थापित कर मां दुर्गा की पूजा आराधना की जा रही है।

गुरुवार को महाकाल मंदिर के पुरोहित गुरु साकेत ने बताया कि मां स्कंदमाता को लाल रंग अतिप्रिय हैं। इसलिए पूजा अर्चना के क्रम में भक्तों को कुमकुम, अक्षत और फल के साथ लाल फूल और फल माता के चरणों में अर्पित करनी चाहिए। घी का दीपक जलाने के साथ केले का भोग भी लगाए। गुरु साकेत ने बताया कि मां स्कंदमाता की गोद में भगवान स्कंद बाल रूप में विराजित हैं। मां की चार भुजाएं हैं और कमल पुष्प पर विराजमान रहती हैं। इन्हें विद्यावाहिनी दुर्गा देवी भी कहा जाता है। ऐसी मान्यता है कि मां सकंदमाता की अराधना करने से भक्तों की समसत मनोकामनाएं पूरी होती है। संतान प्राप्ति के लिए भी स्कंदमाता की अराधना लाभकारी माना गया है। गुरु साकेत कहते है मां स्कन्दमाता कि पूजा करने से व्यक्ति के लिए मोक्ष के द्वार खुल जाते हैं। स्कंद कुमार कार्तिकेय की माता के कारण इन्हें स्कन्दमाता कहा गया है भगवान स्कंद बालरूप में इनकी गोद में विराजित हैं, मां की चार भुजाएं हैं जिसमें दोनों हाथों में कमल के पुष्प हैं।

अमित शाह पांच नवम्बर को आएंगे बिहार, मुजफ्फरपुर में करेंगे रैली

पटना। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पांच नवंबर को बिहार दौरे पर आएंगे। वे पांच नवंबर को मुजफ्फरपुर में रैली करेंगे। साथ ही पताही हवाई अड्डा पर भाजपा की जनसभा को संबोधित करेंगे। इसके लिए भाजपा के 16 जिलों के अध्यक्षों, पदाधिकारियों, सांसदों, विधायकों समेत अन्य कार्यकर्ताओं को भीड़ जुटाने का टास्क दिया गया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी भी शाह की रैली को लेकर 25 अक्टूबर को समीक्षा बैठक करेंगे।

उल्लेखनीय है कि भाजपा की नजर बिहार के 40 लोकसभा सीटों पर है। रैलियों के बहाने भाजपा बिहार में महागठबंधन की सरकार पर जोरदार चोट कर रही है। अमित शाह पिछले छह महीने में बिहार का चार बार दौरा कर चुके हैं और अब पांचवीं बार वह मुजफ्फरपुर पहुंच रहे हैं। 50 दिन के भीतर गृह मंत्री बिहार में दूसरी रैली करेंगे। इससे पहले 16 सितंबर को उन्होंने मधुबनी जिले के झंझारपुर में भाजपा की रैली को संबोधित किया था। बिहार से ही विपक्षी एकता की कवायद शुरू हुई थी।

मुजफ्फरपुर के भीखनपुर से अपहृत स्कूली छात्र श्लोक की तीन दिन सकुशल बरामदगी

पटना।मुजफ्फरपुर के भीखनपुर से अपहृत स्कूली छात्र श्लोक तीन दिन बाद गुरुवार सुबह सीतामढ़ी से बरामद हुआ है। मुजफ्फरपुर जिला के अहियापुर थाना क्षेत्र के भीखनपुर एनएच-57 किनारे से अपहृत दस वर्षीय श्लोक को पुलिस ने तीन दिनों बाद सीतामढ़ी के रुन्नीसैदपुर से बरामद किया है।

दो दिनों तक अपराधियों के बराबर बदल रहे लोकेशन के बाद भी पुलिस काफी मशक्कत के बाद उसे बरामद किया है। श्लोक के बरामदगी के लिए पुलिस मुजफ्फरपुर के अलावा पूर्वी और पश्चिमी चंपारण, सीतामढ़ी के साथ ही नेपाल सीमा तक छापेमारी करती रही। सिटी एसपी अरविंद प्रताप सिंह और नगर डीएसपी की टीम के नेतृत्व में एसआईटी की टीम ने उपलब्धि हासिल की है। एसएसपी राकेश कुमार ने फोन पर बताया कि अपराधियों के बराबर बदल रहे लोकेशन को लेकर थोड़ा विलंब हुआ।

मांझी ने महादलितों की नही ली सुध: रत्नेश सदा

बीएनएम@पूर्णिया

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जीतन राम मांझी को मुख्यमंत्री बनाकर महादलित समुदाय को सम्मान देने का काम किया लेकिन मांझी ने अपने समुदाय के हित मे कोई काम नही किया। ऐसे लोग महादलित समुदाय का नेता होने का दावा करते हैं। इनके झांसे में नही आना है।इससे उलट नीतीश कुमार ने हमेशा महादलितों-दलितों के उत्थान के लिए काम किया। आज हमारा समाज विकास के पथ पर अग्रसर है,यह सब नीतीश जी की देन है ।उक्त बातें बिहार सरकार के काबीना मंत्री रत्नेश सदा ने मंगलवार को पूर्णिया आर्ट गैलरी में जिला विकास मित्र संघ द्वारा आयोजित धन्यवाद सह सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए कही।

सदा ने कहा कि आज राज्य में जो विकास का रोड मैप बनता है तो उसमें दलितों-महादलितों का खास ख्याल रखा जा रहा है।इसी कड़ी में विकास मित्र और तालीमी मरकज के मानदेय में सम्मानजनक वृद्धि की गई है।आपकी जिम्मेदारी है कि हमारे समाज के जो लोग आज भी विकास से दूर हैं उन्हें विकास की धारा से जोड़ें।कहा कि पहले हमारे पूर्वजों की क्या स्थिति थी,हमारी स्थिति पशुओं से भी बदतर थी।लेकिन,हमारे नेता नीतीश कुमार की वजह से आज हमारी स्थिति काफी बेहतर हुई है।

समारोह को संबोधित करते हुए सांसद संतोष कुशवाहा ने कहा कि नीतीश जी के राज में न्याय के साथ विकास हो रहा है।आज बिहार में नौकरियों की बहार है क्योंकि यहां नीतीश कुमार की सरकार है।

हम किसान,मजदूर, युवा,महिला सबों के हित की बात करते हैं।दलितों-महादलितों और अतिपिछड़ों को पंचायती राज व्यवस्था में आरक्षण मिला तो उसका परिणाम देखिए,गरीबों की बेटियां और बहू भी प्रमुख,मुखिया और जिला पार्षद बन रही है।अब जाति आधारित गणना हुई है तो उसके आंकड़े के आधार पर विकास का रोड मैप तैयार होगा और आर्थिक रूप से पिछड़ों की संख्या के अनुसार भागीदारी तय होगी।इस मौके पर जदयू जिला अध्यक्ष राकेश कुमार, अविनाश सिंह, नवल राय ,राजेश राय ,मिथलेश कुशवाहा सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बखान जैविक खेती के लिए प्रोत्साहन से देश हुआ संवृद्ध

किसानों का कल्याण मोदी राज में: गिरिराज

बेगूसराय। केंद्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार किसानों के आय में वृद्धि, उनके सम्मान और कल्याण के लिए लगातार कार्य कर रही है। खाद की पर्याप्त उपलब्धता, जैविक खेती के लिए प्रोत्साहन, किसान सम्मान और कृषि फीडर सहित कई अभियान चलाए जा रहे हैं।

अपने संसदीय क्षेत्र बेगूसराय के प्रवास पर आए गिरिराज सिंह ने गुरुवार को बताया कि 2014 में जब नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री बने तो दूरदर्शी सोच के साथ अपने विजन से देश का समग्र विकास शुरू किया। किसानों के कल्याण और उत्थान के लिए अपने समग्र दृष्टिकोण से हर प्रयास किया। फसल में लागत की तुलना में अधिक आय के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य में निरंतर वृद्धि की जा रही है। यह किसानों के आर्थिक प्रगति का द्वार खोल

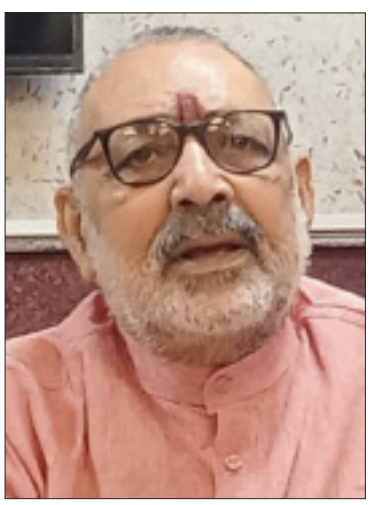

रहा है।

उन्होंने कहा कि कल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने विपणन सीजन 2024-25 के लिए रबी फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में वृद्धि को स्वीकृति दी। जिससे उत्पादकों को उनकी उपज के लिए लाभकारी मूल्य सुनिश्चित किया जा सके। मंसूर में 425 रुपये प्रति क्विंटल, रेपसीड एवं सरसों में दो सौ रुपये प्रति क्विंटल, गेहूं में 150 रुपये एवं चना में 115 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि की गई है।

गिरिराज सिंह ने बताया कि यूपीए की सरकार में 2014 में गेहूं का एमएसपी 14 सौ रुपए क्विंटल था, आज 2275 रुपये हो गया है। जौ का 11 सौ रुपये से बढ़कर 1850 रुपये हो गया एवं चना का 31 सौ रुपये से बढ़कर 5440 रुपये हो गया है। दाल में मसूर का 2950 रुपये से बढ़कर 6425 रुपये हो गया। सरसों एवं रेपसीड का 3050 रुपये से बढ़कर 5650 रुपये हो गया है। इसी प्रकार कुसुम का तीन हजार रुपये से बढ़कर 58 सौ रुपये प्रति क्विंटल हो गया है।

घटना को अंजाम देने जा रहे तीन अपराधी हथियार सहित गिरफ्तार

बीएनएम@बेगूसराय। बेगूसराय पुलिस ने भगवानपुर थाना क्षेत्र के भरडीहा बगरस में बड़ी आपराधिक घटना करने की योजना को विफल कर दिया है। मौके पर से तीन अपराधी को एक देशी पिस्टल एवं तीन मोबाइल के साथ गिरफ्तार किया गया है।

एसपी योगेन्द्र कुमार ने बताया कि शाम में करीब सात बजे गुप्त सूचना मिली की भगवानपुर थाना क्षेत्र के भरडिहा बगरस रोड के पास कुछ अपराधियों द्वारा बड़ी अपराध करने की योजना बनाया जा रहा है। सूचना मिलते ही पुअनि महेश प्रसाद एवं थाना सशस्त्र बल जैसे ही वहां पहुंची तो अपराधी भागने लगे।

लेकिन ग्रामीणों के सहयोग एवं नावकोठी थाना क्षेत्र के विष्णुपुर निवासी चैंपियन कुमार,

भगवानपुर बगरस निवासी सुमित कुमार एवं प्रेम कुमार को पकड़ लिया गया। जिसके पास से 7.65 एमएम का एक देशी पिस्टल एवं तीन मोबाईल बरामद किया गया। ससमय त्वरित कार्रवाई करने वाले गश्ती टीम को पुरस्कृत किया जाएगा।

दस को मिला स्वर्ण पदक, दो को मानद उपाधि

मोतिहारी। दीक्षांत समारोह में दस छात्र-छात्राओं को स्वर्ण पदक राष्ट्रपति ने दिया।

इनमें मोतिहारी चांदमारी मुहल्ला की अंजली कुमारी को सत्र 2020-22 में वनस्पति शास्त्र, कटक ओडिशा की रहने वाले खिराब्दी तान्या को सत्र 19-21 के लिए वनस्पति शास्त्र के लिए पदक मिला। वहीं अगरवा मोतिहारी की अंजली सिंह को सत्र 2023 में लाईब्रेरी सांईस, बगहा पश्चिमी चम्पारण निवासी अप्पू कुमार को सत्र 2016-18 में एमबीए, बेतिया की रहने वाली श्वेता को सत्र 21-22 में लाईब्रेरी सांईस, पूर्णिया के अंकित आनंद को सत्र 20-21 में लाईब्रेरी सांईस, मोतिहारी चांदमारी के सूरज कुमार को सत्र 2017-20 के लिए जबकि सीतामढ़ी के बैरगिनिया मुसाचक निवासी अरबिंद कुमार को 2016-19 में बायोटेक, सीतामढ़ी की श्रूति

सुमन को सत्र 19-20 में लाईब्रेरी सांईस, मोतिहारी के अगरवा की मनीषा को सत्र 2017-19 में एमबीए के लिए स्वर्ण पदक दिया गया। जबकि मानद उपाधि उद्योगपति व समाजसेवी आरके सिन्हा व फिल्मी पटकथा लेखक चन्द्र प्रकाश को दिया गया।

झिझिया को विदेशों में भी किया जीवित, डांडिया पर झिझिया पड़ेगा

सागर सूरज

बीएनएम@मोतीहारी। जहां चंपारण सहित बिहार के लोग अपनी लोक संस्कृति को तिलांजलि देते हुए झिझिया नृत्य भूलते जा रहे है, वही चंपारण से विदेशों में रहने वाले बिहारवासी विदेशों में भी बिहार की समृद्ध लोक संस्कृति से ना केवल विदेशियों को अवगत करवाने का कार्य कर रहे है बल्कि इन बिलुप्त होती संस्कृति को जीवित करने का भी कार्य कर रहे है ।

स्कॉट लैंड में प्रो ध्रुव कुमार के नेतृत्व में स्कॉटिश लोगों के साथ नवरात्र के अवसर पर पैरिश चर्च के मदर अर्थ हिंदू टेंपल में झिझिया डांस का भव्य आयोजन किया गया।

प्रो ध्रुव पूर्वी चंपारण के घोड़ासहन के रहने वाले है जो स्कॉटलैंड में रहते है। झिझिया डांस में पूर्वी चंपारण की रहनेवाली कामिनी जयसवाल, सुष्मिता झा और डॉली शर्मा जैसी महिलाओं ने भी शिरककत की । कार्यक्रम विदेशियों के लिए खासे आकर्षण का केंद्र रहा।

वही चंपारण और बिहार में रह रहे लोग डांडिया और गरबा जैसे कार्यक्रमों में ज्यादा अभिरुच दिखा रहे है।

नवरात्र के अवसर पर प्रत्येक वर्ष शहर की कुछ संस्थाएं डांडिया का कार्यक्रम आयोजित करती है जिसको लेकर समय समय पर विवाद भी होता रहा है । इस बार भी कुछ संस्थाएं बनकट स्थित एसएनएस बीएड कॉलेज में डांडिया का आयोजन हुआ है जबकि ये लोग अपनी संस्कृति और लोक परंपराओं को तेजी से भूलते जा रहे है ।

कामिनी जयसवाल ने कहा झिझिया डांस के माध्यम से हमलोग अपनी लोक परंपराओं को जीवित किया । साथ ही अपनी समृद्ध संस्कृति से विदेशियों को भी अवगत करवाया।

बांधने को लेकर हुई दो पट्टीदारों में मारपीट, एक घायल

पलनवा। थाना क्षेत्र के पखनहिया पंचायत अन्तर्गत बस्ठी गांव में गुरुवार की दोपहर भैंस बांधने को लेकर दो पक्षो में हुई जमकर मारपीट की घटना में धूमन यादव नामक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया ।घायल की स्थिति में परिजनों ने बेहतर उपचार के लिए रामगढ़वा पीएचसी लाये ,जहाँ उनका इलाज किया जा रहा है ।घटना को लेकर रामगढ़वा पुलिस घायल का फर्द बयान लिया है ,जिसमे बताया है किअनिल यादव के दीवाल के समीप भैंस बांधते है किसी कारण वश वह आज सुबह भैंस नही बांधने दे रहे थे ,इसको लेकर औरतों में विवाद हुआ जब वे वहां गए तो सभी लोगो ने लाठी डंडे से मारकर घायल कर दिया ।इस मामले को लेकर दारोगा अंजली भार्गव ने बताई की फर्द बयान लेकर पलनवा थाना में प्राथमिकी हेतु भेज दी जाएगी।

बैंड की धुन पर की राष्ट्रपति की अगवानी

सुरक्षा को लेकर चप्पे-चप्पे पर तैनात थे सुरक्षाकर्मी

बीएनएम@मोतिहारी। राष्ट्रपति के आगमन को लेकर प्रशासनिक स्तर पर सुरक्षा को लेकर व्यापक प्रबंध किए गये थे। यूं कहे कि चप्पे-चप्पे पर पुलिस बलो की तैनाती कर दी गई थी।

रूट भी डायवर्ट कर दिए गये थे। नतीजतन कचहरी की ओर से बरियारपुर की ओर जाने वाले लोगों को मार्ग बदलकर आना-जाना पड़ा।

इस दौरान निर्धारित समय पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू राजाबाजार स्थित प्रेक्षा गृह में पहुंची। उनके आगमन के दौरान एसएसबी की ओर से बैंड धुन से स्वागत किया गया। मंचासीन होने के पूर्व तक धुन बजता रहा। उनके साथ राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ

आर्लेकर, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सहित स्थानीय सांसद शामिल थे।

राष्ट्रपति के हॉल में आगमन से लेकर राष्ट्रीय गान की धुन तक हॉल में बैठे लोग खड़े होकर महामहिम का अभिवादन करते रहे। तत्पश्चात कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्जवलन के साथ शुरू हुई। सर्वप्रथम कुलाधिपति महेश शर्मा के द्वारा राष्ट्रपति को मोमेंटो एवं विश्वविद्यालय का प्रतीक चिह्न भेंट किया गया।तत्पश्चात कुलपति ने बारी-बारी से मंचासीन राज्यपाल, मुख्यमंत्री व सांसद को सम्मानित किया।

परेशानी इंट्री के लिए निर्गत पास पर कईयो ने चमकाई राजनीति

प्रेक्षागृह में जानेवालो की हुई बारीकी से चेकिंग

एक दुसरे पर ठीकरा फोड़ कर हाथ झाड़ते दिखे अधिकारी व विवि प्रशासन

बीएनएम@मोतिहारी

दीक्षांत समारोह में भाग लेने के लिए विश्वविद्यालय की ओर से पास निर्गत किए गये थे।

इंट्री पास अधिकारी, कर्मचारी, विश्वविद्यालय के छात्र, शिक्षक सहित मीडिया के अलावें आवाम के लिए जरूरी था। नतीजतन आमजनो को राष्ट्रपति के कार्यक्रम में भाग लेने का अवसर प्रदान नहीं हो पाया।

इंट्री के दौरान मोबाईल भी प्रतिबंधित था, दीगर है कि विधायक एवं बडे.ओहदे वालो को मोबाईल पर रोक के बावजूद उनकी चेकिंग

के आदेश के बाबजूद पुलिस वाले मुंह मोड़ लिए। लेकिन आम-आवाम सहित मीडिया के लोगों को मोबाईल ले जाने की इजाजत नहीं थी। जैसे-तैसे मीडिया के लोग कार्यक्रम का कवरेज किए।

ज्यादा परेशानी वीडियो को लेकर हुई। क्योकि उन्हे मोबाईल ले जाने की इजाजत नहीं थी। वे एक खास चैनल पर निर्भर थे, नतीजतन खबर चलाने के लिए उन्हे काफी मशक्कत करनी पड़ी। इस संबंध में प्रशासनिक स्तर पर किसी तरह की व्यवस्था नहीं किया जाना मीडिया के लिए परेशानी का सबब साबित हुआ। प्रशासन से संबंधित अधिकारी विवि प्रशासन पर पास निर्गत करने की बात थोपकर अपने आप को बचते रहे, लेकिन हॉल में जाने पर देखा गया कि ऐसे कई लोग थे, जिन्हे पास दे दिया गया था। जो इस कार्यक्रम में भाग लेने योग्य कम, राजनीति चमकाने के लिए पहुंचे थे।

पुलिस ने किया वाहन जांच

एसपी के निर्देश पर पलनवा थाना क्षेत्र मे वाहनों कि संघन चेकिंग हुई ।जांच रामगढ़वा बाजार से पखनहिया जाने वाली मुख्य सड़क के छोटा पखनहिया पीपल चौक पर हुवा.यह वाहन जांच अभियान एस आई सफी अहमद के नेतृत्व मे हुवा। इन्होनें बताया की जांच के क्रम मे वाहन चालकों से गाड़ी का पेपर व लाइसेंस, इन्सुरेंस, हेलमेट और डिकी की जांच की गई ।इन्होने बताया की दशहरा मेला को लेकर यह अभियान चलाया जा रहा है। मेला का बहाना कर कई तस्कर नेपाल से शराब का कारोबार करते है ।इसी को रोक थम के लिए यह वाहन जांच किया जा रहा हैं ।बता दे की वाहन जांच की खबर सुन बिन पेपर हेलमेट व लाइसेंस एवम तसकरो मे हड़कंप मचा हुआ है।

गांधी के समानता के मार्ग पर चलकर विकसित राष्ट्र बनेगा भारत : राष्ट्रपति

बीएनएम@मोतिहारी। बापू की कर्म भूमी चंपारण समानता व एकता की मार्ग पर चलने का मार्ग प्रशस्त करता है,उक्त बाते गुरुवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने महात्मा गांधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कही।

उन्होंने उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में 60 प्रतिशत छात्राएं होने को शानदार उपलब्धि मानते हुए उन्हें बधाई दिया और कहा कि छात्राओं की ऐसे उपलब्धि से नया और विकसित भारत के निर्माण का संकेत मिलता है। यह धरती राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की है। यहां 106 वर्ष पूर्व गांधी जी आये थे। उन्होंने चम्पारण में आकर ही विचार दिया था कि सबको समान शिक्षा का अवसर मिलना चाहिए।

इस विश्वविद्यालय के विद्यार्थी होने के नाते छात्र-छात्राओं को गौरवान्वित होना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने अपने आत्मकथा में लिखा है कि गांधी के चंपारण पहुंचने पर लोगों के दिल से अंग्रेजों का डर भाग गया। चम्पारण के गरीब और शोषित किसानों के अंदर विश्वास जगा कि उनका उद्धार होगा। और उनके बूते खड़ा हुए सत्याग्रह से विश्व के सबसे शक्तिशाली अंग्रेजी शासन को झुकना पड़ा। महात्मा गांधी ने यहां समानता व एकता में सबको जोड़ा।

राष्ट्रपति ने कहा कि चंपारण की धरती पर हम आकर अपने आपको गौरवान्वित महसूस कर रही हूं। गांधी जी के सादगी और सच्चाई का रास्ता ही वास्तविक मार्ग है, जिससे भारत विकसित राष्ट्र बनेगा। उन्होंने छात्र-छात्राएं से भी उनके बताए मार्ग का अनुसरण करने को कहा,जिससे भारत का नवनिर्माण होगा। इसके लिए इस पावन अवसर पर देशवासियों को और चंपारण के लोगों को संकल्प लेने की जरूरत है।

द्रौपदी मुर्मु ने चंपारण की धरती को ऐतिहासिक स्थल बताते हुए कहा कि यह बुद्ध और सम्राट की भी कर्म-भूमि रही है। पश्चिमी चंपारण में वाल्मीकि टाइगर रिजर्व, जो पर्यटन की संभावनाएं को जाहिर करती हैं। वहीं लौरिया में अशोक स्तंभ सम्राट अशोक की याद दिलाता है।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति भवन के दरबार भवन के समीप सम्राट अशोक स्तंभ का ऊपरी भाग चम्पारण की याद दिलाता है। महात्मागांधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय के छात्रों द्वारा राष्ट्रीय,अंर्तराष्ट्रीय स्तर पर शोध विशेषकर थारू जनजाति विषय को शोध में शामिल करने की सराहना की।गांधी बुद्ध और सम्राट अशोक की कर्मभूमि रही है। ऐसे में आप सभी छात्र-छात्राएं बापू की कर्म भूमि एवं बुद्ध की तपोभूमि से सफलता प्राप्त कर राष्ट्र की उन्नति का मार्ग प्रशस्त करें।

दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए बिहार के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने कहा कि हमारे मित्र बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने तीन दिन के भीतर विश्वविद्यालय जमीन उपलब्ध कराने की घोषणा कर दी है। जो काफी सराहनीय है। इस विश्वविद्यालय का देश और विदेश स्तर पर अपना नाम होना चाहिए। इसके लिए जो यहां से उपाधि प्राप्त करके छात्र-छात्राएं अन्य जगहों पर शिक्षा आदि के लिए जाते हैं, वे गर्व से चम्पारण के महात्मा गांधी विवि का छात्र होने की बात बताएं। इसके लिए आपका आचरण, विचार, समर्पण सब के प्रति मर्यादा और कृतज्ञता का भाव को विकसित करना होगा।

उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति आ गई और इसका पालन कर विद्यार्थी अपना भविष्य बेहतर बना सकते हैं। कहा कि पुरानी शिक्षा नीति से लोग मानसिक रूप से गुलाम बना रहे थे, नौकरी मांगने वाला की लंबी फेहरिस्त लग गई। लेकिन नई शिक्षा नीति के तहत अब नौकरी की मांग की जगह हम नौकरी देने वालों की श्रेणी में आने लगे है। छात्राओं को यह संकल्प लेने की आवश्यकता है।

दिल्ली नहीं समझती चम्पारण का महत्व : नीतीश

बीएनएम@मोतिहारी

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रथम दीक्षांत समारोह में शामिल होने गुरुवार को मोतिहारी पहुंचे मुख्यमंत्री ने केविवि के शेष भूमी के अधिग्रहण के लिए बड़ी घोषणा कर सबको चौका दिया।

उन्होंने उपाधि प्राप्त करने वाले सभी छात्र-छात्राओं के उज्जवल भविष्य की लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा विवि के भवन निर्माण के लिए तीन दिनो के अंदर शेष जमीन उपलब्ध करा दिया जायेगा।

नीतीश कुमार ने कहा कि अब मात्र तीन दिन के अंदर महात्मा गांधी केंद्रीय विश्व विद्यालय के लिए भूमि उपलब्ध कराया जाएगा।

उन्होने अपने अंदाज में कहा कि चाहे कोई कुछ कहे पर जब तक हम हैं तबतक चंपारण से हम जुड़े रहेंगे। चाहे आप वोटवा किसी को

भी दीजिये पर लगाव आपसे हमारा हमेशा रहेगा और जबतक हम रहेंगे यहां के लिए कार्य करेंगे। पर क्या करें दिल्ली वाले चंपारण के महत्व को नहीं समझते हैं। हालांकि उनकी इस तरह के बयान से सियासी बाजार गर्म हो गया है।

उन्होंने कहा कि इस विश्वविद्यालय कि 2007 में खोलने की बात की गई थी। जबकि 2009 में केंद्र सरकार ने केंद्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम पास किया। हमारी पूर्ण इच्छा थी कि चंपारण में इसकी शुरुआत हो। क्योंकि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी 1917 में जब चंपारण आए थे तब यहां के लोगों ने आग्रह किया था कि विद्यालय का निर्माण हो। तब बापू ने चंपारण में कई बुनियादी विद्यालयों की स्थापना कर शिक्षा का अलख जगाया था।उन्होंने आजादी दिलाने का काम चंपारण से किया था। हमने भी सरकार बनाने के पहले अपने आंदोलन का आगाज यही से किया था। केविवि निर्माण के बारे में केंद्रीय मंत्री से जाकर व्यक्तिगत तौर पर मिले। लेकिन उन्होंने कहा कि गया में केंद्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना की जाएगी। चंपारण इसके निर्माण के लिए ठीक नहीं है। तब हमने कहा कि चंपारण में भी बनवाइए और गया में भी बनवा दीजिए। जमीन हम उपलब्ध कराएंगे।

सीएम ने कहा कि सर्वप्रथम हमने ही चंपारण का प्रस्ताव सरकार को दिया और 2014 में इसकी स्वीकृति मिली 2016 से काम शुरू हुआ। हम तो चाहते हैं कि जल्द से जल्द विश्वविद्यालय का भवन निर्माण हो 113 एकड़ जमीन उपलब्ध हो चुकी हैं। 303 एकड़ विश्वविद्यालय के लिए जमीन चाहिए, अब राज्य सरकार अपनी तरफ से, जमीन उपलब्ध करायेगी। उन्होने कहा कि जमीन के अतिरिक्त बिहार सरकार इसके भवन निर्माण की दिशा में भी मदद करेगी।

विचाराधीन बंदी की सदर अस्पताल में मौत

मोतिहारी। केंद्रीय कारागार में बंद विचाराधीन बंदी की इलाज के दौरान सदर अस्पताल में बुधवार की अहले सुबह मौत हो गई। मौत की सूचना पर पहुंची नगर थाना की पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक पीपराकोठी थाना क्षेत्र के झखड़ा गांव निवासी 72 वर्षीय बिंदा सहनी था। मौत की सूचना मृतक बंदी के परिजनों को दी गई। मौत की जानकारी मिलते ही परिजनों मे चीख-पुकार मच गया।

कारा अधीक्षक विधु कुमार ने बताया कि पीपराकोठी थाना कांड संख्या 49/2023 में उक्त बंदी जेल में बंद था। बंदी की तबियत बिगड़ने पर उसे 6 अक्टूबर को केंद्रीय कारा के चिकित्सकों के परामर्श पर सदर अस्पताल में इलाज के लिए भेजा गया था। जहां आइसीयू में उसका इलाज चल रहा था। इलाज के दौरान बंदी की मौत हो गई।

जब तक जिंदा रहेंगे, आप लोगों के साथ संबंध रहेगा

बीएनएम@मोतिहारी

सीएम नीतीश कुमार ने गुरुवार को बीजेपी नेताओं की तरफ इशारा करके कहा कि छोड़ो न यार, हम लोग कोई अलग थोड़े हैं। जब तक हम जीवित रहेंगे, हमारी दोस्ती रहेगी।

वह मोतिहारी के गांधी सेंट्रल यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में बोल रहे थे। इसके पहले मोतिहारी से भाजपा सांसद राधामोहन सिंह ने यूनिवर्सिटी के लिए पीएम मोदी को धन्यवाद दिया। कहा कि तब के केंद्रीय मानव संसाधन मंत्री प्रकाश जावेड़कर ने यहां पढ़ाई शुरू कराई थी। इसके बाद सीएम नीतीश बोलने आए। उन्होंने फिर यूनिवर्सिटी बनने की पूरी कहानी सुनाई।

नीतीश कुमार ने कहा- वो तो 2014 में जब केंद्र में नई सरकार आई तो मोतिहारी में बापू के नाम पर सेंट्रल यूनिवर्सिटी खोलने का फैसला लिया। 2016 से यहां काम भी शुरू हो गया। हमने जमीन दी है। अगर बिल्डिंग बनाने के लिए सहयोग चाहिए तो हम देंगे।

मैं उस समय केंद्रीय शिक्षा मंत्री से मिला। उन्होंने खाना खिलाया, लेकिन यूनिवर्सिटी देने से मना कर दिया।

इस दौरान मंच पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर भी मौजूद रहे। राष्ट्रपति का बिहार दौरे के दूसरा दिन है। राष्ट्रपति ने महात्मा गांधी सेंट्रल यूनिवर्सिटी के टॉपर्स का सम्मान किया।

कार्यक्रम में मोतिहारी से भाजपा सांसद राधामोहन सिंह, जिले के सभी भाजपा विधायक भी मौजूद थे।

दीक्षांत समारोह में डीन की नो एंट्री

राष्ट्रपति के कार्यक्रम में यूनिवर्सिटी के डीन प्रो. प्रसून दत्त सिंह के शामिल होने पर रोक लगा दी गई थी। प्रसून दत्त सिंह के खिलाफ 23 सितंबर को झारखंड के जमेशदपुर स्थित साक्षी थाना में हत्या के प्रयास समेत आईपीसी की अलग-अलग धाराओं में आपराधिक मामला दर्ज है। इसके लिए मोतिहारी पुलिस की ओर से कुलपति को लेटर लिखा गया था। इस पर कुलपति ने डीन की एंट्री पर रोक लगा दी।

पांच लाख फिरौती के लिए अपहृत युवक बरामद, तीन किए गए गिरफ्तार

बीएनएम@मोतिहारी।पुलिस ने फिरौती के लिए अपहरण किए गये 12 वर्षीय बालक को सकुशल बरामद कर लिया है। इसकी जानकारी देते हुए एसपी कांतेश कुमार मिश्र ने बताया कि चिरैया थाना निवासी आशिफ अली ने थाना पुलिस को सूचना दिया कि उसके पुत्र का अपहरण कर लिया गया है।

अपहृता पांच लाख रूपये फिरौती की मांग कर रहे है। सूचना प्राप्त होते ही सिकरहना डीएसपी अशोक कुमार के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया।जिसमें ढाका अंचल पुलिस निरीक्षक विजय कुमार, चिरैया एसएचओ सुनील कुमार, शिकारगंज एसएचओ प्रमोद यादव, सब इंस्पेक्टर अवधेश, प्रशिक्षु सब इंस्पेक्टर आशिष कुमार चिरैया एवं जिला सूचना इकाई के के अधिकारी सहित पुलिस जवानों को टीम में शामिल किया गया। टीम ने वैज्ञानिक अनुसंधान के आधार पर महज 24 घंटे के

अंदर अपहृत किशोर को बरामद कर लिया। वहीं अपहृत की निशानदेही पर घटना में संलिप्त तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तारो में रूपेश कुमार हरबोलवा, मनजीत कुमार थाना चिरैया, विशाल सिंह कपूर पकड़ी थाना शिकारगंज, पूर्वी चम्पारण के रूप में हुई है। इनके पास से अपहरण में प्रयुक्त हार्टिका कार एवं दो मोबाइल बरामद किया गया है।

BORDER NEWSMIRROR

Friday 20 October 2023

Editorial

स्कंदमाता का मंत्र-
सिंहासनगता नित्यं पद्माश्रितकरद्वया। शुभदास्तु सदा देवी स्कन्दमाता यशस्विनी।।
या देवी सर्वभूतेषु माँ स्कंदमाता रूपेण संस्थिता।
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।।

राजस्थान में बदलाव की बयार

राजस्थान में पिछले तीस वर्ष से हर पांच साल बाद सत्ता बदलने का रिवाज चला आ रहा है। अगले महीने होने वाले राजस्थान विधानसभा के चुनाव में जहां भारतीय जनता पार्टी हर बार राज बदलने के रिवाज को बनाए रखने का प्रयास कर रही है। वही सत्तारूढ़ कांग्रेस फिर से सरकार बनाकर रिवाज बदलना चाहती है। चुनाव में दोनों ही पार्टियों पूरे दमखम के साथ उतरने जा रही है। तीसरे मोर्चे के रूप में बसपा, राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी, आम आदमी पार्टी, ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिममीन, भारतीय आदिवासी पाटी, वामपंथी पार्टियां जैसे छोटे राजनीतिक दल भी प्रदेश की राजनीति में तीसरी शक्ति बनकर सत्ता की चाबी अपने हाथ में लेना चाहते हैं। राजस्थान में पिछले 30 वर्ष से मुख्यमंत्री अशोक गहलोत कांग्रेस की मुख्य धुरी बने हुए हैं। तीन बार मुख्यमंत्री रह चुके अशोक गहलोत के इर्द-गिर्द ही कांग्रेस की राजनीति घूमती है। कांग्रेस में जैसा गहलोत चाहते हैं वैसा ही होता है। 1998 में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष रहते अशोक गहलोत पहली बार मुख्यमंत्री बने थे। तब राजस्थान में कांग्रेस की राजनीति में कई दिग्गज नेता सक्रिय थे, जिनमें मुख्य परसराम मदेरणा, शीशराम ओला, नवल किशोर शर्मा, नटवर सिंह, शिवचरण माथुर, जगन्नाथ पहाड़िया, हीरालाल देवपुरा, बलराम जाखड़, चौधरी नारायण सिंह, रामनारायण चौधरी, कमला बेनीवाल, खेत सिंह राठौड़, प्रद्युम्न सिंह, गुलाब सिंह शक्तावत जैसे दिग्गज नेता मौजूद थे। उस वक्त गहलोत ने इन सभी को मात देकर मुख्यमंत्री का पद हासिल किया था। बाद में गहलोत ने एक-एक कर सभी बड़े नेताओं को सक्रिय राजनीति से किनारे लगा दिया। आज स्थिति यह है कि कांग्रेस की राजनीति में मुख्यमंत्री गहलोत के प्रतिद्वंद्वी बनकर उभरे सचिन पायलट भी साइड लाइन हो चुके हैं। गांधी परिवार के वफादार भंवर जितेंद्र सिंह का व्यक्तित्व इतना बड़ा नहीं है कि उनके नाम पर मुख्यमंत्री पद के लिए आम सहमति बन सके।

नवरात्रि पर मिशन शक्ति के माध्यम से नारी सशक्तिकरण

मृत्युंजय दीक्षित

नारी सुरक्षा और नारी सम्मान को बढ़ावा देने एवं स्त्रियों को आत्मनिर्भर व सशक्त बनाने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में नवरात्रि के पावन अवसर पर विगत तीन वर्ष से मिशन शक्ति से तस्वीर काफी बदली है। इस नवरात्रि पर भी योगी सरकार ने मिशन शक्ति अभियान के चतुर्थ चरण का श्रीगणेश किया है। योगी आदित्यनाथ नवरात्रि में नौ दिनों का व्रत रखते हैं और गोरखनाथ पीठ में परम्परानुसार कन्या पूजन करते हैं। वह प्रदेश की बेटियों का जीवन सुरक्षित, समृद्ध और सशक्त बनाने के लिए भी संकल्पवान हैं। उनका सपना है कि मां दुर्गा के नौ रूपों के अनुरुप ही प्रदेश की बेटियां का जीवन हो। मिशन शक्ति अभियान और कन्या पूजन के कारण प्रदेश का विपक्ष भी दबाव का अनुभव कर रहा है। इसी दबाव को कम करने के लिए कांग्रेस ने भी नरम हिंदुत्व का नकली चोला ओढ़कर कन्या पूजन करवाने का फैसला लिया है। भारतीय जनता पार्टी की सरकार द्वारा महिलाओं व बेटियां के लिए चलाये जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों की सफलता से प्रेरित होकर प्रियंका गांधी ने पिछले चुनाव में "मैं लड़की हूं लड़ सकती हूं" का नारा भी दिया था किंतु कथनी और करनी के विरोधाभासों के चलते यह नारा बुरी तरह विफल रहा। संसद व विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने वाले नारी शक्ति वंदन अधिनियम -2023 के पारित हो जाने के बाद अब भाजपा ने हर विधानसभा क्षेत्र में बड़ा सम्मेलन करने की योजना बनाई है। मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं व बेटियों के लिए केंद्र व प्रदेश सरकार की ओर से चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं का प्रसार करने का अभियान भी चलाया जा रहा है। सरकार की विभिन्न योजनाओं का परिणाम है कि आज प्रदेश में महिलाओं की आय पहले से अधिक हो गई है। विगत वित्त वर्ष में जुलाई से सितंबर के मध्य ग्रामीण महिलाओं की आय 8,936 रुपये थी जो अप्रैल से जून 23 के बीच 20 हजार रुपये से अधिक हो गई है। केंद्र सरकार के पीरियोडिक लेबर फोर्स सर्वे में उत्तर प्रदेश में महिलाओं की आय में लगातार वृद्धि हो रही है। ग्रामीण महिला श्रम बल भागीदारी दर के अनुसार वर्ष 2018- 19 में यह दर लगभग 20 प्रतिशत थी जो बढ़कर 2022 -23 में 56 फीसदी तक पहुंच गई है। मिशन शक्ति के चतुर्थ चरण में सरकार ग्रामीण और शहरी महिलाओं को विभिन्न योजनाओं के माध्यम से आजीविका गतिविधियों से जोड़ने पर ध्यान केन्द्रित कर रही है। मिशन के चतुर्थ चरण को महिला स्वास्थ्य के प्रति समर्पित किया गया है। 30 वर्ष से ऊपर की महिलाओं को मधुमेह, उच्च रक्तचाप, स्तन व सर्वाइकल कैंसर का निःशुल्क परामर्श दिया जा रहा है। कुपोषित बालिकाओं के लिए विशिष्ट पोषण पुनर्वास केंद्र बनाने का भी फैसला लिया गया है। योगी प्रदेश की बेटियों की सुरक्षा को लेकर बहुत ही सचेत तथा कठोर हैं । वे कई अवसरों पर स्पष्ट संदेश दे चुके हैं कि प्रदेश की सीमा के अंदर अगर कोई भी व्यक्ति हमारी बहन-बेटियों की सुरक्षा में किसी भी प्रकार से सेंध लगाने का प्रयास करेगा तो ऐसे तत्वों को अगले चौराहे पर यमराज प्रतीक्षा करता मिलेगा। इस चेतावनी का असर भी दिखाई पड़ा है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

Today's **Opinion**

एएमयू में गद्दार हजार, कार्रवाई की दरकार

योगेश कुमार सोनी

एक बार फिर अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (एएमयू) सुर्खियों में हैं। पहले तो देश में होने वाले विवादों पर ही यहां से बयान आते थे लेकिन अब विदेश में हो रही गतिविधियों को लेकर यहां छात्र प्रर्दशन करने लगे हैं। बीते कुछ दिनों से इजरायल और हमास के बीच युद्ध जारी है। 7 अक्टूबर को हमास ने चंद मिनट में इजरायल पर हजारों रॉकेट दागे थे। उसके बाद एक्शन में आए इजरायल ने जवाब दिया। इस बीच अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के सैकड़ों छात्रों ने फिलिस्तीन के समर्थन में कैंपस में प्रदर्शन किया और इस ही शुक्रवार को हमास के लिए नमाज भी पढ़ी और वी स्टैंड फिलिस्तीन के साथ धार्मिक नारेबाजी भी की। छात्रों ने धार्मिक नारेबाजी करते हुए अल्लाह हूं अकबर के नारे भी लगाए। इस घटनाक्रम का यदि आकलन करें तो इसे मात्र किसी विश्वविद्यालय का किसी के प्रति समर्थन या विरोध नहीं माना जा सकता। प्रश्न यह है कि क्या इन छात्रों के पीछे कोई बड़ी राजनीतिक सत्ता है या किसी आतंकी संगठन? चूंकि देश में एकमात्र यही ऐसी यूनिवर्सिटी है जो देश-विदेश में हो रहे बड़े मामलों में अपनी उपस्थिति दर्ज कराती है। पूरे देश में इस मामले को लेकर कहीं भी किसी भी यूनिवर्सिटी या छात्र समूह ने कोई भी बयान नहीं दिया। इससे पहले भी कई बार यहां से विवादित बयान आ चुके हैं। इस प्रकरण में यह बात समझ नहीं आती कि आखिर वहां पढ़ रहे विद्यार्थियों का माइंड वॉश करने के पीछे क्या व किस किसकी मंशा है। यदि आंतकी व अन्य किसी बड़ी पार्टी इस खेल के पीछे हैं, तो निश्चित तौर पर देश को एक बड़ा खतरा है। हम बाहरी लोगों से लड़ने में तो पूर्णतः सक्षम हैं लेकिन आस्तीन में पल रहे सांपों का इलाज मुश्किल है। बीते दिनों किसी अन्य मामले पर मेरे साथ एक टीवी चैनल डिबेट में अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी छात्रसंघ के पूर्व उपाध्यक्ष सज्जाद राथर ने लाइव यह कहा कि कश्मीर हिंदुस्तान का भाग नही हैं। इसके अलावा भी कई देश विरोधी बातें कहते हुए उसने कांग्रेस व भारतीय जनता पार्टी पर कई आरोप लगाए । साथ में यह भी कहा इन सबके के लिए पार्टियां ही जिम्मेदार हैं जो यहां पढ़ रहे छात्रों में मतभेद समझती हैं लेकिन जब उससे पूछा गया कि क्या मतभेद हैं तो वह कोई उत्तर नहीं दे पाया। चूंकि वह सिर्फ तथ्यहीन बातों को लेकर ही आग उगल रहा था। उसके इन वाकयों से स्पष्ट हो चुका था कि जो इतने बड़े प्लेटफॉर्म पर हमारे देश के लिए आग उगल सकता है तो उसके मन में और कितना जहर होगा। यह तो केवल एक ही छात्र की कहानी है। बाकी ऐसे लोगों की तो पूरी जमात ही है। सबसे ज्यादा मुसलमान हमारे देश में हैं। हम यह कहते हैं कि हमारा देश धर्मनिरपेक्ष है। बावजूद इसके, ऐसी घटनाएं मन को कचोटती हैं। यदि एएमयू व जेएनयू जैसी संस्थाओं पर निगरानी नहीं रखी गई तो कहीं यह संस्थाएं आतंकियों का अड्डा व फैक्टरी न बन जाएं। यहां हमारे शासन-प्रशासन पर सवालिया निशान उठता है कि लगातार हो रही इस तरह कि घटनाओं पर हमारा सिस्टम गंभीरता क्यों नहीं दिखा रहा। क्या यह चुनौती है या फिर विफलता ? चुनौती है तो भी स्वीकार करनी पड़ेगी व विफलता है तो भी उसमें सुधार करना होगा। क्योंकि दोनों ही स्थिति में बड़ा नुकसान देश के वर्तमान व भविष्य को है। समय रहते इस जहर को फैलने से रोकना होगा, क्योंकि यह इन संस्थाओं मे पढ़ रहे बच्चों के माता-पिता के लिए एक चिंता का विषय हो सकता है। कोई भी अभिभावक नहीं चाहता कि उसके बच्चे इस तरह की राह पर चलें। इसके अलावा ऐसी यूनिवर्सिटी में प्रशासन की वो यूनिट तैनात करनी चाहिए जिससे वहां विद्यार्थियों में कानून के प्रति डर व सम्मान का माहौल का माहौल बना रहे। यूनिवर्सिटी में तमाम ऐसे उपकरणों का भी उपयोग करना चाहिए, जिससे किसी भी संदेह की स्थिति में तुरंत कार्रवाई की जा सके। कॉलेज के समय से ही विद्यार्थियों के छात्रसंघ के चुनाव होते हैं लेकिन उनके नेताओं के किसी देश व दुनिया में हो रही बड़ी घटनाओं को लेकर विवादास्पद बयान देने पर कड़ी कार्रवाई की जरूरत है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

मुद्रक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी बिहार -845401 से मुद्रित तथा सरोतर निवास राजाबाजार, मोतिहारी बिहार से प्रकाशित, संपादक सागर सूरज* फोन नः-06252-296796,
प्रसारः-9470050309 ईमेलः- bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः- www.bordernewsmirror.com(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) TITLE CODE - BIHBIL02431

सहज और सरल भाव से पाठकों के अतंस तक पहुंचती हैं रचनाएं

डॉ पुष्पा जोशी

बहरुपिया चांद जैसा कि इस काव्य-संग्रह का नाम है। वास्तव में चांद बहरुपिया ही है। सत्ताईस नक्षत्रों को एक-एक दिन स्वयं में आत्मसात करता हुआ अपने आकार को प्रतिदिन परिवर्तित करता रहता है।

कभी दूज का चांद कभी परेवा का चांद कभी चौथ का चांद कभी पूरी तरह अदृश्य अमावस्या का कभी पूर्ण रूप धर अपनी अद्भुत छटा बिखेरता चांद.....अब देखते हैं डॉ ज्योत्स्ना जी का चांद कैसा है.....

चांदी से चमकीले
कभी पीले कभी नीले
रौशनी से भरे-भरे
तारों संग इठलाते हो
बहरुपिया हो चांद तुम
कभी मामा ,कभी भाई
कभी बेटा ,कभी साजन
कभी गहना,कभी दुल्हन

मुझे लगता है चांद के रुप वर्णन करने से कोई लेखक, कवि अछूता नहीं रहा होगा। गद्य हो या पद्य चांद सभी जगह अपनी पकड़ बनाए रहा। हमारी डॉक्टर साहिबा ने तो चांद को पूरा काव्य -संग्रह ही समर्पित कर डाला।

कवयित्री का प्रथम काव्य-संग्रह ७५ छंदमुक्त कविताओं के साथ काव्य का अमृत महोत्सव मना रहा है। बहरुपिया चांद कविता-संग्रह में कोई भी विषय अछूता नहीं रहा है। मानवता,राष्ट्र, प्रकृति, सम्बन्ध और दोस्ती पर भी कविताएं पाठकों को यहां पढ़ने को मिलेंगी। वैसे भी दोस्ती कविता न रची गई हो तो सब निरर्थक सा लगता है। अरे ! दोस्त ही तो दोस्त की आंखों से बरसात की बूंदों में से आंसू पहचान लेता है।' दोस्ती ' 'दोस्त हैं वो मेरा ' 'ये दोस्ती हम नहीं तोड़ेगे ' इन तीनों कविताओं का निचोड़ रही है....

बिन दोस्त जीना
क्या जीना, दोस्त
खूं के रिश्ते से भी
अज़ीज़ लगते हैं

दोस्त के लिए कही गई इस बात को किसी कसौटी की आवश्यकता नहीं।' पूनम की रात आज ' कविता में उत्कृष्ट श्रृंगार की छटा देखते ही बनती है-

ओढ़ के चूनर सितारों भरी
निकला लो चांद आज

यहां चांद का मानवीकरण पाठकों को देखने को मिलेगा।

' परिभाषा प्रेम की ' कविता की बानगी देखें...

तोड़ देता कारागार
काट देता लौह बन्धन
लांघता उफनते सागर
तोड़ता हर वर्जना
कुछ भी कर सकता है प्रेम
क्योंकि प्रेम तो बस प्रेम है

मेरे विचार से प्रेम को परिभाषित नहीं किया जा सकता।वह तो अनंत है,असीम है, अद्भुत अनुभूति का द्योतक है। प्रेम की कल्पना परिकल्पना उसे बांध नहीं सकते।

'प्यारी हिन्दी' , 'तेरे लिए ऐ देश मेरे ','गुरु महिमा ' कविताएं अलग-अलग कलेवर से पाठकों को अपनी भाषा का मान ,देश की शान और गुरु की सम्मान करने की सीख देंगी।

' लो जी होली तो होली ' , 'आज रंग है ',छिपाओ न प्रीत .....

होली के रंगों से पाठकों को सराबोर करती हुई कविताएं फाग के माह में पहुंचा देंगी। डॉ ज्योत्स्ना जी काव्य-संग्रह का श्री गणेश सरस्वती वंदन फिर गुरुओं के नमन से किया है।

मेरा मानना है कि अपने प्रथम काव्य-संग्रह बहरुपिया चांद में कवयित्री डॉ ज्योत्स्ना सिंह जी ने अपने शब्द-चयन और शिल्प-सौष्ठव में परिपक्वता का परिचय देते हुए अत्यंत सहज और सरल भाव से पाठकों के अतंस तक पहुंचने का प्रबंध कर लिया है। आपकी काव्य का स्थाई भाव उत्कृष्टता में विराट का सृजन करे। ज्योत्स्ना जी आप कालजयी सृजन करती हुई कविता यात्रा में अग्रसर हों। बहरुपिया चांद आपके लिए मील का पत्थर साबित हो। अमृत प्रकाशन को भी उत्कृष्ट काव्य -संग्रह प्रकाशित करने के लिए हार्दिक बधाई देती हूं। डॉ ज्योत्स्ना जी को बहरुपिया चांद कविता-संग्रह के आत्मिक बधाई, शुभकामनाएं देती हूं।

पुस्तक समीक्षा-बहरुपिया चांद (कविता-संग्रह)

रचयिता-डॉ.ज्योत्स्ना सिंह 'अंदलीब'
छंदमुक्त कविताएं-75 मूल्य-350 रूपए
पृष्ठ-168 अमृत प्रकाशन दिल्ली

पूजा 'बहार'

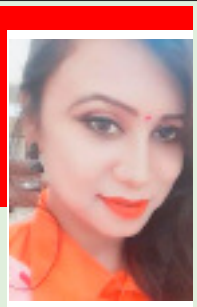

उसने बिना मांगे
सब कुछ दिया।।

दर्द दिया
तन्हाई दी
आँसू दिए
बेवफाई दी।।

ज़माने भर के
ग़म दिए।।

रुसवाईयां दीं
नहीं दिया तो बस
वो थोड़ा सा
वक़्त।।

जिस पर
मेरा हक़ था
सिर्फ मेरा!!!

राजा मीना
मीना हाई कोर्टनांगल राजावतान
दौसा (राज.) मो.9782253457

कविता : मां

मां ऐसा कहती है
संभल संभल के चलना बेटा
दुनियां की राहों में कष्ट बहुत आएगा बेटा
जीवन की इन पड़ावों मे
ये संसार ऐसा ही हैं
जिसने सीता माता पर भी
मिथ्या आरोप लगाया था
तुम तो साधारण सी लडकी हो
दुनिया कि बातो उलझ गई तो
मार्ग भटक जाओगी
सोच समझकर निर्णय लेना बेटा
दुनिया की इन राहों में
द्रौपदी की लाज बचाने
कृष्ण मुरारी आये थे
अब तो कलयुग है कृष्ण कहां से आएंगे
कैसे तुम्हे बचायगे
तुम्हे अपनी लड़ाई
स्वयं लड़नी होगी वीरागना बनकर
अपनी रक्षा स्वयं करनी होगी
यदि हिम्मत हार गई तो
कैसे तो कैसे लड़ पाओगी
हिम्मत साहस से चलना बेटा
दुनिया की इन राहों में ।।

व्यंग्य: सुबह और शाम चाय का नाम

अशोक व्यास

चाय को अंतर्राष्ट्रीय पेय की मान्यता शायद अभी तक नहीं मिली हो लेकिन एक आम भारतीय सुबह उठकर भगवान का नाम भले ही न ले परन्तु वह चाय को इतनी शिद्दत से याद करता है कि सारी कायनात उसकी इच्छा को पूरी करने के लिये परिवार सहित जुट जाती है . साथ में परिवार के सदस्य भी चाय पीने के लिये लालायित होने लगते हैं. इसी वजह से भारत में चाय को भारतीयों ने अघोषित रूप से राष्ट्रीय पेय का दर्जा दे रखा है और अनुमान है कि विश्व में सबसे अधिक चाय उत्पादन के साथ साथ सबसे अधिक चाय पीने का सोभाग्य भी हमें ही प्राप्त है.

हम सुबह उठने से लेकर रात को सोने के समय तक कभी भी चाय पी सकते हैं चाय पीना हमारा सबसे बड़ा शौक है, पेशन है. उसकी गरिमा कम ना हो जाये इसलिए जैसे पेट्रोल के दाम यदाकदा बढ़ जाते है उसी प्रकार सरकारी और गैर सरकारी दूध बेचने वाले भी दूध के दाम अक्सर बड़ा देते हैं. अगर नहीं बढ़ाएं तो लगता है कि चाय की प्रतिष्ठा कहीं कम तो नहीं हो गई है। अतः दूसरे ही महीने फटाक से दूध या चायपत्ती या शक्कर में से किसी ना किसी के दाम बढ़ ही जाते हैं तब जाकर छाती में ठंडक नहीं गर्मी का एहसास होने लगता है. वैसे अब आवश्यक वस्तुओं का भाव बढ़ने से कोई आश्चर्य नहीं होता है क्योंकि इससे हमारी क्रय शक्ति बढ़ने का सरकार को पता चलता रहता है जिससे उसे टेक्स बढ़ाने में सुविधा हो जाती है. अगर दाम नहीं बढ़े तब जरूर ऐसा लगता है कि आम आदमी की किरकिरी हो गई हो कि यह साला चाय का खर्च भी वहन करने की कुव्वत नहीं रखता है. दूध के दाम बढ़ गए तो ऐसा लगा जैसे अंतर्राष्ट्रीय बाजार मे कच्चे तेल के दाम बड़ गए हो. चाय पत्ती पहले ही 'पत्ता पत्ता बूटा बूटा हाल हमारा जाने' की तरह हो गई है शक्कर की मिठास किसान को गन्ने पर मिलने वाली सब्सिडी पर निर्भर है. मतलब यह है कि भारतीय अपना राष्ट्रीय पेय पीने पर गर्व की अनुभूति कर सकते हैं. कुछ तो चाय की ज्यादा तारीफ करके हमने ही उसकी आदतें खराब की कि वो स्पेशल हो गई है क्योंकि पहले होती थी चाह वाली चालू चाय और अब वह बन गई है गोल्डन, कड़क मीठी स्पेशल चा.....य जब वह वाकई में चालू हुआ करती थी तब उसकी जो इज्जत थी वह इस कारण थी कि चाय तब ही चाय मानी जाती थी जब वह लबसोज हो, लबदोज हो और लबरेज हो यानी चाय इतनी गरम हो की होंठ जल जाए, इतनी मीठी हो की होंठ चिपक जाए और प्याले में इतनी भरी हो कि प्लेट में डालकर सुड़कते हुए पिया जाए.

एक जमाना था जब चाय पीते हुए एक से बढ़कर एक चर्चाएं होती थी उसके बाद एक दौर आया की चाय पीते हुए चर्चा नहीं बल्कि खुद चाय पर चर्चा होने लगी इस चक्कर में सरकारों की चला चली के बेला आ गई थी. बताओ भला यह क्या बात हुई कि जो बातें चाय पीते हुए होती थी उसे छोड़कर सब चाय पर चर्चा करने लगे. इस चक्कर में आजकल चाय पीने वालों का अवमूल्यन होने लगा है किसी से चाय पीने का पूछो तो कोई कहेगा नहीं मैं चाय नहीं पीता हूं, दूसरा कहेगा बस थोड़ी सी देना,

चौथा कहेगा मैं तो काफी पीता हूं, पांचवा कहेगा में तो कुछ और पीता हूं. यह तो सरासर अपमान है अंग्रेजों की दी गई नेमत का. हालांकि उसमें भारतीय किचन के जितने मसाले हैं उसे डालकर हम उसे अमृत बना चुके हैं. अब यह हो रहा है कि चाय की चर्चा नहीं, चाय पर चर्चा नहीं, चाय पर खर्चे की बात होने लगी. मंहगी चाय पत्ती, पेट्रोल के बड़ते दामों की तरह अचानक दूध के दाम में बढोतरी, अंतरराष्ट्रीय बाजार में शक्कर की कमी के कारण निर्यात करना यह सब फालतू बातें होने लगी. पुराने लोगों से पूछो तो वह कहेंगे 'साहब चाय तो हमारे जमाने में पी जाती थी यह नए लोग क्या जाने एक प्याली में दो घूंट भी बड़ी मुश्किल से पी पाते हैं. हमारे जमाने में तो थाली में डालकर चाय पीते थे. उसके बाद गिलास भरकर पीने लगे फिर कप प्लेट का जमाना आ गया तो उसमें भी हमने कोई कमी नहीं की थी दो कप चाय से कम नहीं पीते थे वर्ना तोहीन मानी जाती थी चाय की और पीने वाले दोनों की '.

चाय का जीवन में पिछली शताब्दी में इतना महत्व था कि जब भी किसी जवान हुई कन्या की मां को उसकी शादी का ख्याल आता था तो वह होने वाले दामाद को चाय पर बुला लेती थी. तब वह कन्या भी फट से समझ जाती थी और अपने प्रेमी से गा गा कर कहती थी कि ' शायद मेरी शादी का ख्याल दिल में आया है इसीलिए मम्मी ने मेरी तुम्हें चाय पर बुलाया है'.

सगाई संबंध कराने में चाय का इससे बड़ा सामाजिक योगदान क्या हो सकता है. सत्तर अस्सी के दशक में तो कन्या के हायर सेकेंडरी करने के बाद होम साइंस से ग्रैजुएट करने को शादी से पूर्व का वेटिंग इन पीरियड माना जाता था. तब और कुछ सीखती या ना सीखती टीकोजी बनाना जरूर सीखती थी. आज की पीढ़ी अगर सुन ले तो उसे कोई पारले जी की तरह कोई बिस्कुट समझ ले जबकि यह भी अंग्रेजों की देन थी.

उस समय टीकोजी का एक ही बार इस्तेमाल होता था जब लड़का उस कन्या को देखने आता था. तब कन्या सर पर पल्ला रखकर आहिस्ता और सधे हुए कदमों से चलकर आती थी घरवाले कहते थे 'बेटी मेहमानों को चाय पिलाओ' तब वह छोटी बहन या भाभी द्वारा पहले से लाई गई घर के एकमात्र टीसेट जिसका काम भी एक ही बार पड़ता था उस की केटली से टीकोजी ऐसे उठाती थी जैसे किसी का घूंट उठाया जा रहा हो. तब एक हाथ से केटली के हैंडल को और दूसरे हाथ को ढक्कन पर रखकर कप में चाय भरकर मेहमानों को देती थी. इस सारी प्रक्रिया को लड़के के साथ आने वाली महिलाएं इतनी तीक्ष्ण दृष्टि से देखती थी जैसे होम साइंस प्रेक्टिकल का परीक्षक देख रहा हो. बिना आवाज किए, बिना चाय गिरे अगर लड़की ने चाय को पेश कर दी तो समझो प्रैक्टिकल में पूरे नंबर मिल गए आगे तो संबंध पक्का होना ही समझो.

इसी प्रकार कोई भी धार्मिक कर्मकांड बिना चाय का दौर चले पूरा नहीं माना जाता है उसमे पूजा सामग्री के साथ चाय का भी प्रावधान करना पड़ता है।

टाइफाइड में नहाना चाहिए या नहीं?

गर्म या ठंडा पानी किससे नहायें

आज हम बात करेंगे टाइफाइड में नहाना चाहिए या नहीं क्योंकि टाइफाइड के समय मरीज को अपने स्वास्थ्य के प्रति सावधानी बरतना बेहद जरूरी होता है. ऐसे में अगर टाइफाइड के समय मरीज के स्वास्थ्य के प्रति सावधानी नहीं बरती गई तो मरीज की हालत और भी बिगड़ सकती है जिसकी वजह से उसकी जान भी जा सकती है.

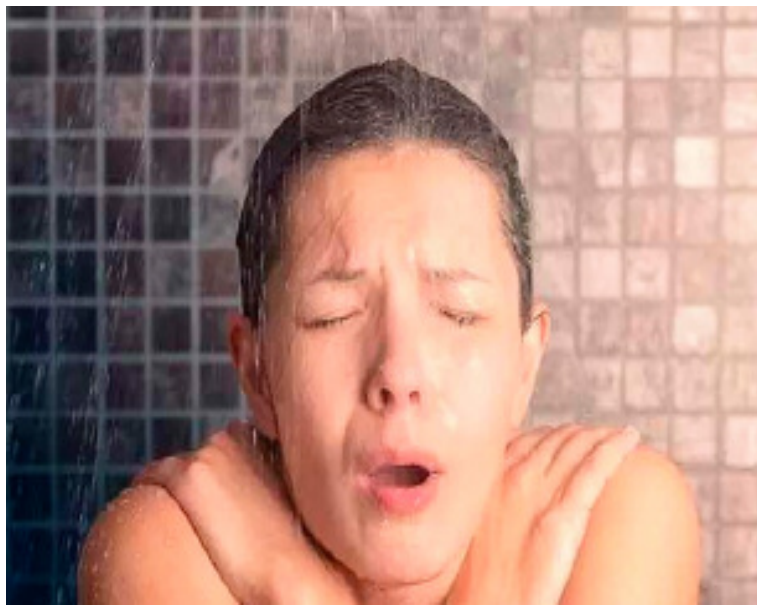

ऐसे में डॉ अलका यादव का कहना है टाइफाइड बुखार दूषित पानी से नहाने दूषित पानी पीने और इससे बने भोजन को करने से होता है इसीलिए हमें यह जानकारी होनी चाहिए कि टाइफाइड में नहाना चाहिए या नहीं। आप टाइफाइड बुखार में सामान्य ताप के पानी से नहा सकते हैं इससे आप को कोई खास नुकसान नहीं होगा .

टाइफाइड में गर्म पानी से क्यों नहाना चाहिए?

डॉ अलका का कहना है कि टाइफाइड बुखार दूषित पानी पीने और दूषित पानी से बनने वाले भोजन को करने से होता है।

ऐसे में अगर आप उसी पानी से नहाएंगे तो आपकी तबीयत और ज्यादा बिगड़ सकती है ऐसे में आपको नहाने के लिए पानी को गर्म करना आवश्यक बताया गया है क्योंकि पानी को गर्म करने से वह कीटाणु रहित हो जाता है जिसकी वजह से वह पानी पूरी तरह से शुद्ध माना जाता है।

इसीलिए टाइफाइड बुखार में गर्म पानी से नहाना बेहतर माना गया है। गर्म पानी से नहाने के साथ-साथ आपको टाइफाइड के समय गर्म पानी का सेवन पीने में भी करना चाहिए.

क्योंकि टाइफाइड में गर्म पानी पीने से शरीर से हानिकारक पदार्थ बाहर निकल जाते हैं इसीलिए आपको सुबह खाली पेट गर्म पानी और शाम को खाना खाने के बाद गर्म पानी का सेवन करना चाहिए इससे पाचन संबंधी समस्या भी ठीक हो जाती है

सेहत के लिए नुकसानदायक है इन फलों के जूस का सेवन

1. नाशपाती का जूस

खट्टे-मीठे स्वाद वाला नाशपाती एंटीऑक्सीडेंट्स व मिनरल्स से भरपूर होता है। लेकिन इसका जूस सेहत के लिए बिल्कुल भी फायदेमंद नहीं होता है। इसकी वजह से इसमें मौजूद सॉर्बिटोल शुगर, जो आसानी से पचती नहीं है। जो अपच, गैसजैसी समस्याओं की वजह बन सकती है।

2. अनानास का जूस

अनानास का जूस भी खट्टा-मीठे स्वाद लिए होता है जो लोगों को बहुत पसंद आता है। लेकिन क्या आप जानते हैं इसमें शुगर की मात्रा ज्यादा होती है जिसकी वजह से शरीर में ब्लड का शुगर लेवल बढ़ सकता है।

वैसे अनानास के फल में कई तरह के विटामिंस और पोषक तत्व मौजूद जाते हैं जो जूस निकालने से खत्म हो जाते हैं। तो जूस पीने की जगह अनानास खाएं।

3. एप्पल जूस

जहां रोज़ाना एक सेब खाना सेहत के लिए फायदेमंद माना जाता है वहीं इसका जूस सेहत के लिए किसी भी तरह से फायदेमंद नहीं होता क्योंकि बाहर इसका जूस बनाते वक्त बीज कई बार निकाला नहीं जाता।

घुंघराले बालों की समस्या: आजमाइए ये घरेलू नुस्खे

आमतौर पर ज्यादातर महिलाएं अपने बालों को घुंघराले यानी कर्ली लुक देने की कोशिश करती हैं। जबकि कुछ महिलाओं के बाल प्राकृतिक रूप से घुंघराले होते हैं और उन्हें उलझाव, रूखापन और टूटने जैसी बालों की समस्याओं का काफी सामना करना पड़ता है। अगर आप भी अपने घुंघराले बालों के साथ इन समस्याओं का सामना कर रहे हैं तो इनसे छुटकारा दिलाने में ये पांच घरेलू नुस्खे आपकी मदद कर सकते हैं।

सेब का सिरका आएगा काम

सेब का सिरका एक प्राकृतिक हेयर क्लेरिफायर के रूप में काम करता है और आपके घुंघराले बालों को मुलायम बनाने के साथ चमक देता है।

लाभ के लिए सेब के सिरके और पानी की बराबर मात्रा को मिला लें और फिर अपने बालों को अच्छी तरह से शैंपू करके इस घोल से अपने बालों को धो लें। इसके बाद अपने सिर को ठंडे पानी से फिर से धो लें। महीने में दो बार इस नुस्खे को दोहराएं।

अंडे का करें इस्तेमाल

अंडे प्रोटीन समेत कई पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं, जो घुंघराले बालों का टूटना रोकने के साथ उन्हें मुलायम भी बना सकते हैं। लाभ के लिए एक कटोरे में एक अंडा फेंट लें।

अब इसमें एक बड़ी चम्मच मेयोनीज और एक बड़ी चम्मच जैतून का तेल मिलाएं। इसके बाद इसे अपने बालों में लगाकर 30 मिनट के बाद सिर को ठंडे पानी से अच्छी तरह धो लें। हफ्ते में एक बार इस प्रक्रिया को दोहराने से बड़ा लाभ मिलेगा।

बीयर है प्रभावी

बीयर घुंघराले बालों को आसानी से सुलझाने से लेकर इनके टूटने की संभावना कम होने जैसे कई लाभ मिल सकते हैं। लाभ के लिए सबसे पहले अपने बालों को शैंपू और पानी से धो लें। अब धीरे-धीरे अपने बालों पर बीयर डालें और इसे लगभग पांच मिनट के लिए छोड़ दें। इसके बाद सिर को फिर से ठंडे पानी से धो लें। हफ्ते में दो बार इसका इस्तेमाल करें। इससे बालों की चमक और बढ़ जाएगी।

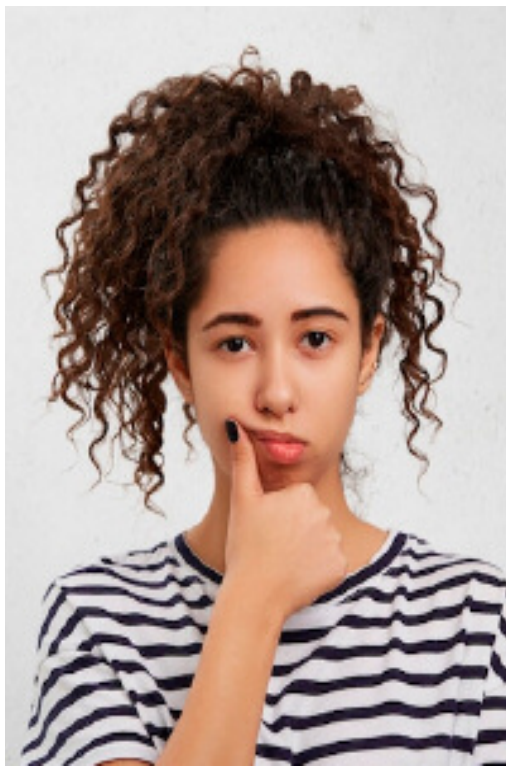

एवोकाडो करेगा मदद

एवोकाडो में विटामिन- ई एक प्रमुख पोषक तत्व है। यह आपके घुंघराले बालों को मजबूती प्रदान करने के साथ उन्हें चमकदार बनाने में मदद कर सकता है। लाभ के लिए एक एवोकाडो को मैश करके इसके साथ दो बड़ी चम्मच दही मिलाएं। अब इस पेस्ट को अपने बालों में लगाएं और लगभग एक घंटे के लिए इसे ऐसे ही छोड़ दें। इसके बाद सिर को पानी से धो लें और फिर हमेशा की तरह शैंपू करें।

एलोवेरा जेल लगाएं

एलोवेरा स्कैल्प के पीएच स्तर को संतुलित करता है, जिससे बालों का झडना रूकता है। इसके अतिरिक्त, यह बालों से डैंड्रफ दूर करने समेत इन्हें हाइड्रेट रखता है। लाभ के लिए हफ्ते में दो बार ताजे एलोवेरा जेल से अपने बालों में मालिश करें। फिर इसे 15 मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें।

योग

योग एक प्राचीन विज्ञान है या यूं कहें कि मानव जाति के लिए एक उपहार है। तब भी, हमारे गुरु मानव शरीर की जटिल मशीन की कार्यप्रणाली जानते थे। यदि गुरुओं द्वारा दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुसार सही तरीके से योग किया जाए, तो यह मानव शरीर को जबरदस्त फायदे पहुंचा सकता है।

BNM Fantasy

Friday
20 October 2023

खिचड़ी 2 का दूसरा गाना रिलीज

दिवाली के मौके पर सलमान खान और कटरीना कैफ की फिल्म टाइगर 3 (Tiger 3) रिलीज के लिए तैयार है। इस फिल्म के पांच दिन बाद 17 नवम्बर को फैमिली कॉमेडी फिल्म खिचड़ी 2 सिनेमाघरों में पहुंचेगी। नवरात्रि त्योहार की बीच बुधवार को फिल्म का दूसरा गाना वंदा राका रिलीज किया गया है, जो थिरकने के लिए मजबूर करता है। गाने का टीजर विद्या बालन ने अपने इंस्टाग्राम एकाउंट से शेयर किया है। गाने पर विद्या ने भी जेडी मजेठिया और कीर्ति कुल्हरी के साथ स्टेप्स किये हैं। इस गाने का ऑडियो पहले ही रिलीज कर दिया गया था। अब इसका वीडियो जारी किया गया है।

'टाइगर 3' के ट्रेलर को मिली बेशुमार तारीफ

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान और कैटरीना कैफ फिल्म 'टाइगर 3' में अपनी सुपर एजेंट टाइगर और जोया को फिर से निभाने के लिए वापस आ गए हैं। निर्माताओं ने 'टाइगर 3' का ट्रेलर जारी किया और इसने इंटरनेट पर देखते ही देखते धूम मचा दी। यह वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की फिल्मों में से सबसे ज्यादा देखा जाने वाला ट्रेलर बन गया, जिसमें एक था टाइगर, टाइगर जिंदा है, वॉर और पठान जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्में शामिल हैं। सलमान और कैटरीना ट्रेलर को मिली सकारात्मक प्रतिक्रिया और लोगों द्वारा उन पर बरसाए जा रहे प्यार से बेहद रोमांचित हैं। सलमान और कैटरीना सबसे लोकप्रिय ऑन-स्क्रीन जोड़ियों में से एक हैं, जिन्हें बड़े पर्दे पर देखने के लिए दर्शक उमड़ पड़ते हैं। कैटरीना कहती हैं, 'टाइगर 3' के ट्रेलर को जो प्रतिक्रिया मिली है, उसे देखना अविश्वसनीय है। यह बेहद अद्भुत है कि हमें इतना प्यार मिल रहा है क्योंकि पूरी टीम ने टाइगर 3 को एक एक्शन ड्रामा बनाने के लिए अपना सबकुछ झोंक दिया है। यह टाइगर फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म है और मैं 'टाइगर 3' से लोगों की भारी उम्मीदों से अच्छी तरह वाकिफ हूं। मुझे खुशी है कि ट्रेलर को सर्वसम्मति से प्यार मिल रहा है और यह रिलीज होने तक 'टाइगर 3' अभियान के लिए शानदार माहौल तैयार करता है। वह कहती हैं, टाइगर और जोया एक ही पहेली के दो टुकड़े हैं। जब वे एक इकाई के रूप में एक साथ काम करते हैं तो वे करिश्माई और साहसी होते हैं।

शादी की साड़ी में आलिया भट्ट ने लिया नेशनल अवॉर्ड

तस्वीरें वायरल

हाल ही में राष्ट्रीय पुरस्कार समारोह आयोजित किया गया था। इस खास इवेंट के लिए सभी कलाकार दिल्ली पहुंचे थे। इससे पहले राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों की घोषणा की गई थी। अब दिल्ली के विज्ञान भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने विजेताओं को सम्मानित किया। इन अवॉर्ड्स की लिस्ट में बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट का भी नाम है। आलिया भट्ट ने फिल्म 'गंगूबाई काठियावाड़ी' के लिए अवॉर्ड जीता। इस बार आलिया भट्ट का लुक काफी आकर्षक था। फिल्म में आलिया के बेहतरीन अभिनय के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम में अभिनेत्री ने साड़ी पहनी हुई थी। अपने इस देसी लुक में वह बेहद खूबसूरत लग रही थी। उनकी इस साड़ी का भी एक खास कनेक्शन है। अवॉर्ड समारोह में आलिया ने वही साड़ी पहनी जो उन्होंने अपनी शादी में पहनी थी। आलिया भट्ट ने अपने करियर का पहला नेशनल अवॉर्ड जीता है। इस मौके पर एक्ट्रेस आलिया भट्ट पति रणबीर कपूर के साथ पहुंचीं। यह जोड़ा अपनी जिंदगी के इस खास दिन के लिए काफी उत्साहित नजर आया। अपनी शादी की साड़ी पहनने पर फैंस आलिया की तारीफ कर रहे हैं। तो आलिया ने खुद भी कमेंट कर बताया है कि उन्होंने ये साड़ी क्यों पहनी। आलिया ने कहा, 'जिंदगी के एक खास दिन के लिए यह साड़ी भी बेहद खास है। इस साड़ी को दोबारा पहनना भी उतना ही आनंददायक है।' उन्होंने यह भी कहा है कि वह अपनी जिंदगी के खास पलों में हमेशा इस खास साड़ी को पहनेंगी। इस बार सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का राष्ट्रीय पुरस्कार एक नही बल्कि दो अभिनेत्रियों को मिला है। आलिया भट्ट ने अपनी फिल्म 'गंगूबाई काठियावाड़ी' के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का राष्ट्रीय पुरस्कार जीता। वहीं, कृति सेनन को फिल्म 'मिमी' के लिए यह अवॉर्ड देने की घोषणा की गई है। नेशनल अवॉर्ड जीतने पर एक्ट्रेस ने संजय लीला भंसाली का शुक्रिया अदा किया है। साथ ही उन्होंने इस अवॉर्ड का श्रेय भी उन्हीं को दिया है।